ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मैव

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./25 दिनांकः **26.08.2025**

जिलाः– **बीकानेर**

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 26 अगस्त 2025 से 30 अगस्त 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 28.6 से 38.4 °C एवं न्यूनतम तापमान 22.0 से 25.5 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 46 से 84% रही ।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (26.08.2025 से 30.08.2025) 26.08.2025 को बादल छाए रहने, 27.08.2025 से 28.08.2025 तक घने बादल छाए रहने, 29.08.2025 से 30.08.2025 तक पूर्णाच्छादित छाए रहने, न्यूनतम तापमान 25.0-27.0°C और अधिकतम तापमान 34.0-36.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान दधिणी दधिणी पूर्वी, दधिणी दधिणी पधिमी, दधिणी पधिमी, पधिमी दधिणी पधिमी और पधिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	26.08.2025	27.08.2025	28.08.2025	29.08.2025	30.08.2025
वर्षा) एम.एम. (	**2**	**1**	**0**	**10**	**45**
आसमान में बादलो की स्थिति	बादल	घने बादल	घने बादल	पूर्णाच्छादित	पूर्णाच्छादित
अधिकतम तापमान ° C)	**34**	**35**	**35**	**36**	**35**
न्यूनतम तापमान (° C)	**25**	**26**	**27**	**26**	**25**
वायु दिशा	पधिमी	पधिमी दधिणी पधिमी	दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पधिमी	दधिणी दधिणी पूर्वी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**35**	**38**	**35**	**58**	**46**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**56**	**54**	**57**	**66**	**70**
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**15**	**21**	**20**	**11**	**7**
वर्षा) एम.एम. (	**58.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है ।

विशेष सलाह	घने बादल व बारिश की संभावना की स्थिति में रसायनो के पर्णिय छिड़काव से बचे। भविष्य के लिए पानी और नमी की हर बूंद का संरक्षण करें। आने वाले दिनो में मौसम की परिस्थितियों के कारण खरीफ फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप होने की सम्भावना है अतःखेत में लगातार निगरानी रखे जिससे फसलों पर होने कीट एवं व्याधियों के प्रकोप का पता लग सके। सभी फसलों में मृदा सरंक्षण, बेहतर वायु संचरण व खरपतवार नियंत्रण हेतु अंतः शस्य क्रियाएं करें। ग्वार एवं अन्य दलहनी फसलों में रस चूसने वाले कीड़ों (हरा तेला, सफ़ेद मक्खी, मोयला आदि) का प्रकोप होने पर असिटामीप्रिड या थायोमिथाक्सोम नामक रसायन का 3 ग्राम प्रति 10 लीटर या इमिडाक्लोप्रीड 3 मिली प्रतिलीटर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करें। कपास, बाजरा और चारे वाली खड़ी फसलों में नाइट्रोजन की शेष मात्रा बारिश के साथ डालें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
मूंगफली	शाखाएँ निकलना/ पेगिंग	पीलेपन का उपचार	मूंगफली की खड़ी फसल में पीलेपन के लक्षण दिखाई देने पर 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट 0.1 प्रतिशत साइट्रिक अम्ल का छिड़काव करे। 60 किग्रा/बीघा जिप्सम का भूमि पर छिड़काव करें।
		व्याधि उपचार	आने वाले दिनो में मौसम की परिस्थितियों के कारण मूँगफली की फसल में टिक्का रोग के प्रकोप की संभावना है। अतः किसान भाई इसके नियंत्रण के लिए मेंकोजेब या क्लोरोथेलोनेल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से प्रयोग करें।
		सिंचाई	**मूंगफली की फसल में** नमी का रखरखाव एक आवश्यक गतिविधि है।
ग्वार	वानस्पतिक	व्याधि उपचार	वर्तमान और आने वाले दिनो की मौसम की परिस्थितियों के कारण ग्वार की फसल में जीवाणु झुलसा रोग होने की सम्भावना है। किसानों को सलाह है कि रोग के लक्षण दिखाई देते ही 2.5 ग्राम स्ट्रेप्टो साइक्लिन को 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 10 लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करे।
सभी फसलें	वानस्पतिक/ प्रजनन	सिंचाई	वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को फसलों की सिंचाई बंद कर देनी चाहिए।
		नाइट्रोजन/पोषक तत्व	वर्षा की संभावनाओं को देखते हुए किसानों को वर्षा के साथ या वर्षा के दौरान प्रयोग करने के लिए अपने आदान तैयार रखने चाहिए।
उद्यानिकी		बाग लगाने एवं सिंचाई	किन्नों के नये बाग लगाने हेतु 6 मीटर x 6 मीटर की दूरी पर 1 मीटर x 1 मीटर x 1 मीटर आकार के गड्ढों की खुदाई कर 20 दिन खुला छोड़ देंवे। खजूर, किन्नों, संतरा व नीबू के बगीचे में नियमित अन्तराल पर सिंचाई करें।
पशुधन		खाद्य, एंव पोषक प्रबंधन	पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ ।
		रोग	मौसमी स्थिति को देखते हुए पलटू पशुओ में खुरपका-मुंह पका, लंगड़ी बुखार वी गलघोंटू जैसी बिमारियो के प्रति टीका लगवाएं।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा